पन्ना पहुंचे मुख्यमंत्री ने संतों का लिया आशीर्वाद

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने जुगुल किशोर मंदिर में चल रहे गुरु पूर्णिमा कार्यक्रम में अपनी उपस्थिति दर्ज कराई

नवभारत न्यूज

पन्ना, 24 जुलाई। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि अलौकिक जगत में संतों की वाणी से बेहतर जीवन का मार्ग प्रशस्त होता है। प्रदेश में जनकल्याण के समस्त कार्य भगवान के आशीर्वाद से संचालित हैं। हमारे जीवन में संस्कारों का होना भी बहुत आवश्यक है। देश के सभी तीज-त्यौहार भी सार्थक संदेश के माध्यम से मानव कल्याण का संदेश देते हैं।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने शुक्रवार को पन्ना प्रवास के दौरान श्री जुगल किशोर मंदिर में गुरु पूर्णिमा महोत्सव के कार्यक्रम में यह बात कही। मुख्यमंत्री ने

श्रीधाम वृंदावन से पधारे संत श्री श्री 108 महंत स्वामी किशोरदास जी महाराज का आशीर्वाद प्राप्त किया और विभिन्न स्थानों से आए भक्तगणों का अभिवादन कर संतों के सानिध्य में प्रेरणादायी वक्तव्य का अनुसरण करने एवं प्रेरणा प्राप्त करने की बात कही। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि पन्ना की पावन धरा वृंदावन का लघु स्वरूप है। इसी तरह बुंदेलखंड के अयोध्या के रूप में ओरछा की मान्यता है। साथ ही विक्रम सम्वत् के आयोजन तथा भगवान श्रीराम एवं कृष्ण से जुड़े स्थानों को तीर्थ के रूप में विकसित करने की बात भी कही। उन्होंने कहा कि पन्ना में प्रत्येक वर्ष तीन दिवसीय कथा उत्सव का आयोजन होगा तथा पन्ना में संस्कृत विद्यालय खोला जाएगा। पन्ना विधायक और पूर्व मंत्री बृजेन्द्र प्रताप सिंह ने कहा कि पन्ना में संतों का समागम सौभाग्य की बात है।

संदीपनी विद्यालय का किया लोकार्पण

इसके पूर्व मुख्यमंत्री ने सांदीपनि विद्यालयों का लोकार्पण भी किया इ विद्यालय में समस्त आधुनिक सुविधाएं प्रदान की जा रही है। इस मौके पर मुख्यमंत्री ने कहा कि पन्ना में अगले वर्ष से मेडिकल कॉलेज चालू किया जाएगा। उन्होंने भगवान जुगल किशोर मंदिर के विकास कार्यों के लिए पर्याप्त राशि प्रदान करने एवं बृजपुर में कॉलेज खोलने सहित विभिन्न सड़कों एवं पुल-पुलियों को बनवाने की घोषणा की।

बाघ दिवस के तहत विविध प्रतियोगिताओं का आयोजन

विद्यार्थियों ने अपनी अनूठी कलात्मक प्रतिभा का किया प्रदर्शन

नवभारत न्यूज

पन्ना, 24 जुलाई। अंतर्राष्ट्रीय बाघ दिवस सप्ताह के दूसरे दिन पन्ना टाइगर रिजर्व मुख्यालय और विभिन्न वन परिक्षेत्रों में वन्यजीव जन-जागरूकता तथा रचनात्मक गतिविधियों का भव्य आयोजन किया गया।

इस विशेष कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य स्कूली विद्यार्थियों में बाघ संरक्षण, जैव विविधता और पर्यावरण के प्रति संवेदनशीलता व जागरूकता विकसित करना है। इसी कड़ी में पन्ना टाइगर रिजर्व के मुख्य सभागार में मटका पेंटिंग, तवा पेंटिंग और क्ले आर्ट (मिट्टी कला) प्रतियोगिताओं का आयोजन हुआ, जिसमें कई विद्यालयों के छात्र-छात्राओं ने पूरे उत्साह के साथ भाग लिया। विद्यार्थियों ने अपनी अनूठी कलात्मक प्रतिभा का प्रदर्शन करते हुए बाघ, वन्यजीव और प्रकृति संरक्षण पर आधारित बेहद आकर्षक व प्रेरणादायक कलाकृतियां बनाईं।

इसके साथ ही मुख्यालय स्तर पर केंद्रीय विद्यालय पन्ना के सभागार में कक्षा 11वीं और 12वीं के छात्र-छात्राओं के लिए एक ज्ञानवर्धक वाद-विवाद प्रतियोगिता भी आयोजित की गई। टाइगर रिजर्व के अलग-अलग परिक्षेत्रों में भी पर्यावरण और वन्यजीव संरक्षण से जुड़े कई रचनात्मक व व्यावहारिक कार्यक्रम चलाए गए। मड़ियादो परिक्षेत्र के अंतर्गत शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में सघन पौधारोपण कार्यक्रम का आयोजन कर समाज को पर्यावरण बचाने का संदेश दिया गया।

इसी प्रकार पन्ना कोर परिक्षेत्र और हिनौता परिक्षेत्र के शासकीय स्कूलों में छात्र-छात्राओं के लिए निबंध लेखन प्रतियोगिता आयोजित की गई, जिसमें बच्चों ने वन्यजीवों व प्रकृति की रक्षा के संबंध में अत्यंत उत्कृष्ट और विचारणीय निबंध प्रस्तुत किए। वहीं दूसरी ओर चंद्रनगर परिक्षेत्र में एक सराहनीय स्वच्छता अभियान चलाया गया, जिसके तहत वन अमले ने सुरक्षा श्रमिकों के साथ मिलकर वन और वन्यप्राणियों की सुरक्षा के दृष्टिकोण से जंगल व आसपास के क्षेत्रों से प्लास्टिक और कचरा एकत्रित कर साफ-सफाई की। इन सभी रचनात्मक गतिविधियों और प्रतियोगिताओं में स्थानीय स्कूली बच्चों ने बढ़-चढ़कर अपनी सहभागिता दर्ज कराई।

मुख्यमंत्री ने किए श्री जुगल किशोर मंदिर के दर्शन

हेलीपैड में हुआ स्वागत

नवभारत न्यूज

पन्ना, 24 जुलाई। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव शुक्रवार को पन्ना जिला मुख्यालय पर विभिन्न कार्यक्रमों में शामिल होने के लिए पन्ना हेलीपैड पहुंचे। हेलीपैड आगमन पर जनप्रतिनिधि एवं प्रशासनिक अधिकारियों द्वारा मुख्यमंत्री डॉ. यादव का आत्मीय स्वागत किया गया।

इस अवसर पर पन्ना विधायक एवं पूर्व कैबिनेट मंत्री बृजेन्द्र प्रताप सिंह सहित अन्य जनप्रतिनिधियों द्वारा मुख्यमंत्री का पुष्पगुच्छ भेंट कर स्वागत किया गया, जबकि प्रशासन की ओर से संभागायुक्त अनिल सुचारी, पुलिस महानिरीक्षक मिथलेश शुक्ला सहित कलेक्टर ऊषा परमार, पुलिस अधीक्षक निवेदिता नायडू व अन्य अधिकारियों द्वारा स्वागत किया गया। मुख्यमंत्री ने भगवान श्री जुगल किशोर के किए दर्शन - मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने शुक्रवार को पन्ना प्रवास के दौरान श्री जुगल किशोर मंदिर पहुंचकर भगवान श्री जुगल किशोर के दर्शन किए और आशीर्वाद प्राप्त किया। उन्होंने विधिवत पूजन अर्चन कर प्रदेशवासियों के सुख एवं समृद्धि की कामना की। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने मंदिर प्रांगण का भ्रमण भी किया और भक्तगण एवं श्रद्धालुओं का अभिवादन किया। इसके उपरांत गुरू पूर्णिमा महोत्सव के संबंध में जानकारी भी प्राप्त की।

धार्मिक ट्रस्टों की संपत्तियों में लूट, न कभी जांच हुई और न कार्रवाई

जिम्मेदारों ने ही लगाया ठिकाने

नवभारत न्यूज

पन्ना, 24 जुलाई। धार्मिक ट्रस्ट की चल अचल संपत्तियों के साथ भी बड़े-बड़े खेल यहां हो चुके हैं। भले ही इसके लिये सरकारों ने समय पर नियम बनाये और संशोधन भी किये। किन्तु जांच हो तो पता चलेगा कि यहां के जिन धार्मिक ट्रस्टों के पास कई करोड़ की चल अचल संपत्तियां थीं वे सब खुर्दबुर्द हो चुकी हैं।

उनका कोई हिसाब किताब भी नहीं किया गया। समय-समय पर होने वाली आडिटो के माध्यम से भी संपत्तियों को गायब करने का काम किया गया।

बिक्री के लिये अनुमति लिया या नहीं यह भी स्पष्ट नहीं - जिन ट्रस्टों के पास करोड़ों की अचल संपत्तियां विवरणियों में दर्ज थीं वहां आज संपत्तियां भी नहीं मिल पायेंगी। उन अचल संपत्तियों को सुनियोजित तरीके से कौड़ियों के भाव बिक्री कर दिया गया। यहां तक पता चल रहा है कि ऐसी संपत्तियों की बिक्री के लिये रजिस्ट्रार से अनुमति तक नहीं ली गई। अपनी निजी संपत्तियां मानकर ट्रस्ट की संपत्तियों को बिक्री किया गया। उन संपत्तियों की बिक्री से जो राशि प्राप्त हुई वह ट्रस्टों के खाते में जमा हुई या नहीं हुई अथवा कितनी जमा हुई यह भी खोज का विषय है।

विशेष ऑडिट के अधिकार थे किन्तु नहीं हुए आदेश

रजिस्ट्रारों को धार्मिक ट्रस्टों की संपत्तियों की समीक्षा करने एवं गंभीर अनियमितता की स्थिति में उनकी विशेष आडिट करवाने के भी अधिकार थे। किन्तु यहां किसी भी ट्रस्ट की विशेष आडिट नहीं करवाई गई। इसलिये ट्रस्टों में असंवैधानिक रूप से काबिज मुख्य ट्रस्टियों के वारिसों ने ट्रस्ट की चल अचल संपत्तियों का दुरुपयोग किया। आज भी ऐसे ट्रस्टों का नाम कागजों में भले ही जीवित हो किन्तु उनकी चल अचल संपत्तियों को लेकर सही जानकारी संकलित करने की चिन्ता नहीं हो रही है। जबकि ऐसे सभी ट्रस्टों की चल अचल संपत्तियों की पहचान होनी चाहिये और यदि किसी के द्वारा उसका दुरुपयोग किया गया है, उसे क्षति पहुंचाई गई है तो उसकी संपत्तियों से भरपाई होनी चाहिये। उसके खिलाफ आपराधिक प्रकरण दर्ज होना चाहिये।

डीईओ मेडम ने कहा -हुई है संसोधित टीसी जारी, परिजनों ने नकारा

दो छात्रों के स्थानांतरण प्रमाण पत्र पर चरित्रहीन लिखकर जारी किया गया था, जिस पर परिजनों ने शिकायत दर्ज कराई

नवभारत न्यूज

पन्ना, 24 जुलाई। पन्ना जिले के शाहनगर तहसील क्षेत्रान्तर्गत मेन्हा संकुल केन्द्र के अंतर्गत आने वाले शासकीय माध्यमिक शाला भोपार की प्रधानाध्यापिका द्वारा दो छात्रों के स्थानांतरण प्रमाण पत्र पर चरित्रहीन लिखकर जारी किया गया था जिस पर परिजनों ने शिकायत दर्ज कराई।

इस विषय पर डीईओ का कहना है कि उक्त छात्रों की संसोधित टीसी जारी कर दी गई है वहीं परिजनों ने इसको नकारते हुये गत मंगलवार को कलेक्टर की जनसुनवाई में आकर संसोधित टीसी तथा दोषियों पर कार्यवाही के लिये शिकायती पत्र सौंपा था। वहीं इस पर परिजनों ने कहा, दूसरा सर्टिफिक्रेट नहीं दिया गया। बच्चों के साथ आए अभिभावकों ने कलेक्टर ऊषा परमार से शिकायत दर्ज कराई। अभिभावकों ने कहा कि कल्दा क्षेत्र अंतर्गत मेहा संकुल की भोपार माध्यमिक शाला और आदिवासी बालिका आश्रम में अव्यवस्थाओं का अंबार है। स्टाफकी मनमानी पर किसी का अंकुश नहीं है। मामला सामने आने के बाद छात्रो का प्रवेश तो मेहा संकुल में करा दिया गया, लेकिन पुरानी टीसी में सुधार नहीं होने से परिजन चिंतित हैं। ग्रामीणों ने कन्या आश्रम की सुरक्षा व्यवस्था पर भी सवाल उठाए हैं। शिकायत में आरोप लगाया गया है कि एक बाहरी व्यक्ति आश्रम में रहता है और शराब के नशे में रहने से छात्राएं भयभीत हैं। स्कूल और आश्रम की सामग्री, जैसे पलंग, कुर्सियां, दरवाजे और खिड़कियां बेचने के भी आरोप लगाए गए हैं।

टीसी में गलत टीप अंकित करने वाली शिक्षिका को कारण बताओ नोटिस जारी, जांच समिति गठित - शासकीय माध्यमिक शाला भोपार में अध्ययनरत विद्यार्थियों के भविष्य के साथ खिलवाड़ करने और उनके स्थानांतरण प्रमाण पत्र (टीसी) पर अमर्यादित टीप अंकित करने का एक गंभीर मामला सामने आया है। मामला जिला मुख्यालय स्थित कलेक्टर कार्यालय तक पहुंचने के बाद शिक्षा विभाग हरकत में आ गया है। जिला शिक्षा अधिकारी आकांक्षा रावत ने शाला की प्रभारी प्रधानाध्यापक और प्राथमिक शिक्षक श्रीमती सत्या सिंह पटेल को कारण बताओ सूचना पत्र जारी किया है। साथ ही पूरे मामले की तथ्यात्मक जांच के लिए तीन सदस्यीय जांच समिति का गठन कर दिया गया है। मिली जानकारी के अनुसार, ग्रामवासियों और विद्यार्थियों के अभिभावकों ने कलेक्टर पन्ना के समक्ष उपस्थित होकर लिखित शिकायत दर्ज कराई थी। शिकायत में बताया गया कि प्रभारी प्रधानाध्यापक द्वारा छात्र अभिलेश कुमार एवं अमरजीत यादव को जारी टीसी में श्चरित्रहीनश् और सरकारी दस्तावेजों के साथ छेड़खानी करने संबंधी गंभीर टिप्पणियां अंकित की गई हैं। शिक्षा विभाग ने इस कृत्य को गंभीर कदाचरण और विद्यार्थियों के शैक्षणिक भविष्य के साथ खिलवाड़ मानते हुए जिला शिक्षा अधिकारी द्वारा जारी नोटिस में संबंधित शिक्षिका से तीन दिवस के भीतर मय साक्ष्यों के जवाब मांगा गया है। मामले की निष्पक्ष जांच के लिए गठित तीन सदस्यीय समिति में विकासखंड शिक्षा अधिकारी गुनौर आर.के. प्रजापति, शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय झरकुआ के प्रभारी प्राचार्य सहदीप शर्मा और जिला व्यावसायिक समन्वयक पुष्पराज सिंह परमार को शामिल किया गया है।

क्या कहती हैं डीईओ

जब उपरोक्त मामलें में जिला शिक्षा अधिकारी आकांक्षा रावत से चर्चा की गई तो उन्होंने कहा कि उनको संसोधित टीसी जारी कर छात्रों का एडमिशन करा दिया गया है जिसकी पुष्टी उनके द्वारा डीपीसी से भी कर ली गई थी।

टाइगर रिजर्व में अंतर्राष्ट्रीय बाघ दिवस सप्ताह का शुभारंभ

नवभारत न्यूज

पन्ना, 24 जुलाई। अंतर्राष्ट्रीय बाघ दिवस के अवसर पर पन्ना टाइगर रिजर्व में बाघ संरक्षण जागरूकता सप्ताह की शुरुआत हुई।

इसके तहत पहले दिन रिजर्व के विभिन्न परिक्षेत्रों में वन्यजीव संरक्षण एवं पर्यावरण जागरूकता को लेकर कई तरह की गतिविधियों का आयोजन किया गया। मड़ला परिक्षेत्र में बच्चों ने टेराकोटा ट्राइबल आर्ट के जरिए बाघ और वन्यजीवों पर आधारित खूबसूरत कलाकृतियां बनाईं। वहीं, गंगऊ परिक्षेत्र में टेराकोटा मटका एवं तवा पेंटिंग प्रतियोगिता रखी गई। मड़ियादो परिक्षेत्र में हाट-बाजार के दौरान लोगों

को मुफ्त पौधे बांटे गए और उन्हें एक व्यक्ति-एक पौधा लगाने व उसकी देखभाल करने की शपथ दिलाई गई। पन्ना कोर परिक्षेत्र के अकोला और जरधोवा शासकीय विद्यालयों में बच्चों ने चित्रकला प्रतियोगिता में भाग लेकर जैव विविधता का संदेश दिया। चंद्रनगर परिक्षेत्र में वन अमले को वन्यप्राणी संरक्षण की शपथ दिलाने के साथ ही एक बाइक जागरूकता रैली निकाली गई और सुरक्षाकर्मियों को वर्दी व सुरक्षा सामग्री बांटी गई। गहरीघाट परिक्षेत्र में मानव-वन्यजीव सह-अस्तित्व पर जागरूकता बैठक आयोजित की गई। सप्ताह भर चलने वाले इन आयोजनों के जरिए पन्ना टाइगर रिजर्व का लक्ष्य समाज के हर वर्ग को वन्यजीव और प्रकृति संरक्षण से जोड़ना है। पहले दिन छात्रों, ग्रामीणों और वन कर्मचारियों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया।

शासकीय छत्रसाल महाविद्यालय में निबंध प्रतियोगिता का आयोजन

नवभारत न्यूज

पन्ना, 24 जुलाई। मध्यप्रदेश शासन उच्च शिक्षा विभाग के निर्देशानुसार आज, 24 जुलाई को स्थानीय शासकीय छत्रसाल स्नातकोत्तर महाविद्यालय, पन्ना में कारगिल विजय दिवस के उपलक्ष्य में एक भव्य निबंध प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।

राष्ट्र प्रेम को केंद्र में रखकर आयोजित की गई इस प्रतियोगिता में विद्यार्थियों ने बड़े उत्साह के साथ भाग लिया और अपने विचारों के माध्यम से देश के वीर शहीदों को नमन किया। यह पूरा कार्यक्रम महाविद्यालय के प्राचार्य

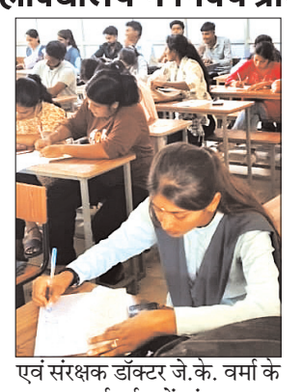

एवं संरक्षक डॉक्टर जे.के. वर्मा के कुशल मार्गदर्शन में संपन्न हुआ। कार्यक्रम को सफल बनाने में महाविद्यालय के वरिष्ठ प्राध्यापकों की मुख्य भूमिका रही। उक्त प्रतियोगिता के परिणाम इस प्रकार रहे, निबंध लेखन में विद्यार्थियों ने अपनी लेखन शैली और राष्ट्रभक्ति के विचारों का उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। कड़े मुकाबले के बीच निर्णायक मंडल द्वारा घोषित परिणामों में प्रथम स्थान मोहित रैकवार, द्वितीय स्थान सृष्टि अहिरवार, तृतीय स्थान सपना कोरी व चतुर्थ स्थान ध्रुव सिंह ने प्राप्त किया।

प्राचार्य डॉक्टर जे.के. वर्मा ने सभी विजयी प्रतिभागियों को बधाई देते हुए कहा कि इस तरह के आयोजनों से युवाओं में न केवल लेखन क्षमता का विकास होता है, बल्कि उनमें राष्ट्र के प्रति कर्तव्य और देशभक्ति की भावना भी सुदृढ़ होती है।

रैपुरा में सरकारी गाड़ी चुराकर तांडव मचाने वाले शराबी का पुलिस ने निकाला जुलूस

नवभारत न्यूज

पन्ना, 24 जुलाई। जिले के रैपुरा थाना क्षेत्र में शराब के नशे में धुत एक युवक द्वारा सरकारी वाहन चोरी कर हाट बाजार में तबाही मचाने व तेज रफ्तार वाहन की चपेट में आने से आठ लोग गंभीर रूप से घायल व कई वाहन क्षतिग्रस्त हो जाने का मामला बीते दिनों प्रकाश में आया था।

इस दुस्साहस पर कड़ा रुख अपनाते हुए रैपुरा पुलिस ने गिरफ्तार आरोपी का थाने से लेकर कटनी तिराहे तक पैदल जुलूस निकाला, जिसे कानून व्यवस्था को चुनौती देने वालों के लिए एक सख्त संदेश के रूप में देखा जा रहा है। यह पूरी घटना बीते बुधवार की शाम की है, जब ग्राम इमलिया का रहने वाला सुखेन्द्र सिंह बुंदेला अत्यधिक शराब के नशे में रैपुरा थाने पहुंचा था। पुलिसकर्मियों ने उसे समझा-बुझाकर वहां से रवाना तो कर दिया, लेकिन कुछ ही देर बाद आरोपी ने थाना परिसर में खड़ी शासकीय कार एमपी 03 ए 2067 वाहन को चुराकर बेहद तेज रफ्तार में स्थानीय हाट बाजार की तरफ भाग निकला। बुधवार का दिन होने के कारण हाट बाजार में ग्रामीणों की भारी भीड़ उमड़ी हुई थी। इसी दौरान आरोपी ने लापरवाही और बेरहमी से वाहन चलाते हुए भीड़ को रौंदना शुरू कर दिया। इस अचानक हुए हादसे से बाजार में अफरा-तफरी और चीख-पुकार मच गई। वाहन की टक्कर से रमेश चौधरी, बेबी बाई वाल्मीक, जलसा बाई चौधरी, विमला बाई लोधी, काशी प्रसाद लोधी, संतोष रैकवार, प्रमोद नायक और हेमलता वाल्मीक लहूलुहान हो गए। रफ्तार का कहर यहीं नहीं रुका बेकाबू कार ने बाजार में खड़ी एक मोटरसाइकिल, एक स्कूटी और अवंतीबाई तिराहे पर खड़ी एक सवारी बस को भी जोरदार टक्कर मारकर क्षतिग्रस्त कर दिया था। वारदात को अंजाम देने के बाद आरोपी मौका-ए-वारदात पर ही वाहन छोड़कर रफूचक्कर हो गया था। पुलिस ने मुस्तैदी दिखाते हुए घायलों को तुरंत प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र रैपुरा भिजवाया, जहां सभी का उपचार किया गया। इसके साथ ही फरार आरोपी की घेराबंदी कर उसे धर दबोचा गया।

मेडिकल कैम्प एवं शिविरों के नाम मेडिकल स्टोर संचालकों का गोरखधंधा?

नवभारत न्यूज

पन्ना, 24 जुलाई। शहर में कहीं न कहीं आये दिन नि:शुल्क मेडिकल कैम्प लग रहे हैं। जहां नि:शुल्क जांच व उपचार के नाम पर कोई न कोई पंपलेट छपवाकर उसका प्रचार भी करता है। ऐसे मेडिकल कैम्पों में यहां के स्थानीय डॉक्टरों का कोई स्थान नहीं होता बल्कि बाहरी डॉक्टरों को नाम होता है। उनकी डिग्रियों व अनुभवों का भी पर्चेलेट में प्रचार किया जाता है।

कोई एम्स से अनुभव प्राप्त होता है तो कोई मुंबई या नागपुर आदि बड़े शहरों के बड़े नामचीन अस्पतालों का अनुभवी होता है, तो कोई विदेशों का अनुभवी बताया जाता है जबकि पता चला है कि यह सब फर्जी रूप से प्रसारित कर मरीजों के साथ लूट की जा रही है। डॉक्टरों का नाम, पद एवं अर्हतें को पर्चेलेटों के माध्यम से इस तरह से प्रचारित किया जाता है जैसे यहां शिविर लगाने वाला डॉक्टर वास्तव में विशेष अनुभव प्राप्त होता है। उसी पर्चेलेट प्रचार के आधार पर कई लोग ऐसे डॉक्टरों के चक्कर में फंस भी जाते हैं। क्योंकि जहां भी नि:शुल्क उपचार, जांच व परामर्श की जानकारी गरीब लोगों को मिलती है वे वहां पहुंचने की पूरी कोशिश करते हैं। किन्तु इसके पीछे एक बड़ी साजिश छिपी होती है। जिसके बारे में सामान्य व्यक्ति नहीं समझ सकता। यही कारण है कि नि:शुल्क जांच शिविर के नाम पर जो एक बार फंस गया वह दस-बीस हजार खर्च करने के लिये फिर बाध्य भी हो जाता है। क्योंकि उसे इस तरह से समझा दिया जाता है जिससे उसे यह करना मजबूरी हो जाती है। इस तरह से मेडिकल के क्षेत्र में मरीजों व उनके परिजनों के साथ बड़ी लूट यहां हो रही है। किन्तु यहां का प्रशासन एवं स्वास्थ्य विभाग पूरी तरह से या तो अनभिज्ञ बना हुआ है अथवा वह जानते हुये भी कार्रवाई इसलिये नहीं करता क्योंकि वह पहले से ही ऐसे आयोजकों से फिक्सिंग कर चुका होता है।

निरस्त होने चाहिये मेडिकल स्टोर के लाइसेंस - किसी भी मेडिकल स्टोर संचालक द्वारा यदि अपने फायदे के लिये नि:शुल्क शिविर के नाम पर अवैधानिक रूप से मेडिकल कैम्प आयोजित करवाये जाते हैं। उनके इस तरह के गोरखधंधे के खिलाफकार्रवाई होने चाहिये। उन्हें चेतावनी दी जानी चाहिये और यदि इसके बाद भी वे नहीं मानते तो उनके लाइसेंस निरस्त होने चाहिये। क्योंकि किसी भी मेडिकल स्टोर के संचालक को मेडिकल कैम्प अपनी दुकान के आसपास लगाने का लाइसेंस नहीं दिया जाता बल्कि उसे दवाईयां बिक्री करने का लाइसेंस दिया जाता है। इसलिये उसे जो ग्राहक आते हैं उन्हें दवा बिक्री करनी चाहिये।

मेडिकल स्टोर के संचालकों ने शिविरों का आयोजन क्यों किया

एक तरफदवा विक्रेताओं के पास नियमानुसार फार्मासिस्ट नहीं है। दुकानों का संचालन अवैध हो रहा है वहीं ऐसे लोग शिविरों का आयोजन करते रहते हैं। जबकि मेडिकल स्टोर का लाइसेंस जिसे भी जारी किया जाता है उसे अपनी मेडिकल दुकान संचालित करने चाहिये। उसका काम मरीजों को डॉक्टरों द्वारा लिखे गये पर्ची से दवा की बिक्री करना होना चाहिये। उसका काम यह नहीं है कि वह अपने मेडिकल के नाम पर अपने दुकान के सामने बाहरी डॉक्टरों को बुलाकर नि:शुल्क जांच शिविरों का आयोजन करवाये।

प्रैक्टिस के लिए कोई सूचना भी स्वास्थ्य विभाग को नहीं

कोई भी बाहरी डॉक्टर चाहे वह कितना भी अनुभवी या विशेषज्ञ क्यों न हो उसे शिविर लगाने के लिये स्वास्थ्य विभाग को सूचना देनी चाहिये। उसका यहां पंजीयन होना चाहिये ताकि यहां के स्वास्थ्य विभाग को यह जानकारी रहे कि कब कौन सा रजिस्टर्ड मेडिकल प्रैक्टिशनर यहां बाहर से आया और उसके द्वारा कहां कौन सा शिविर लगाया गया। उसे अपने पंजीयन व प्रैक्टिस के संबंध में स्वास्थ्य विभाग को सूचना दी जानी चाहिये। यदि वह ऐसा नहीं करता केवल मेडिकल स्टोर वाले से फिक्सिंग कर यहां शिविरों का आयोजन करता है तो यह गलत है।